TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

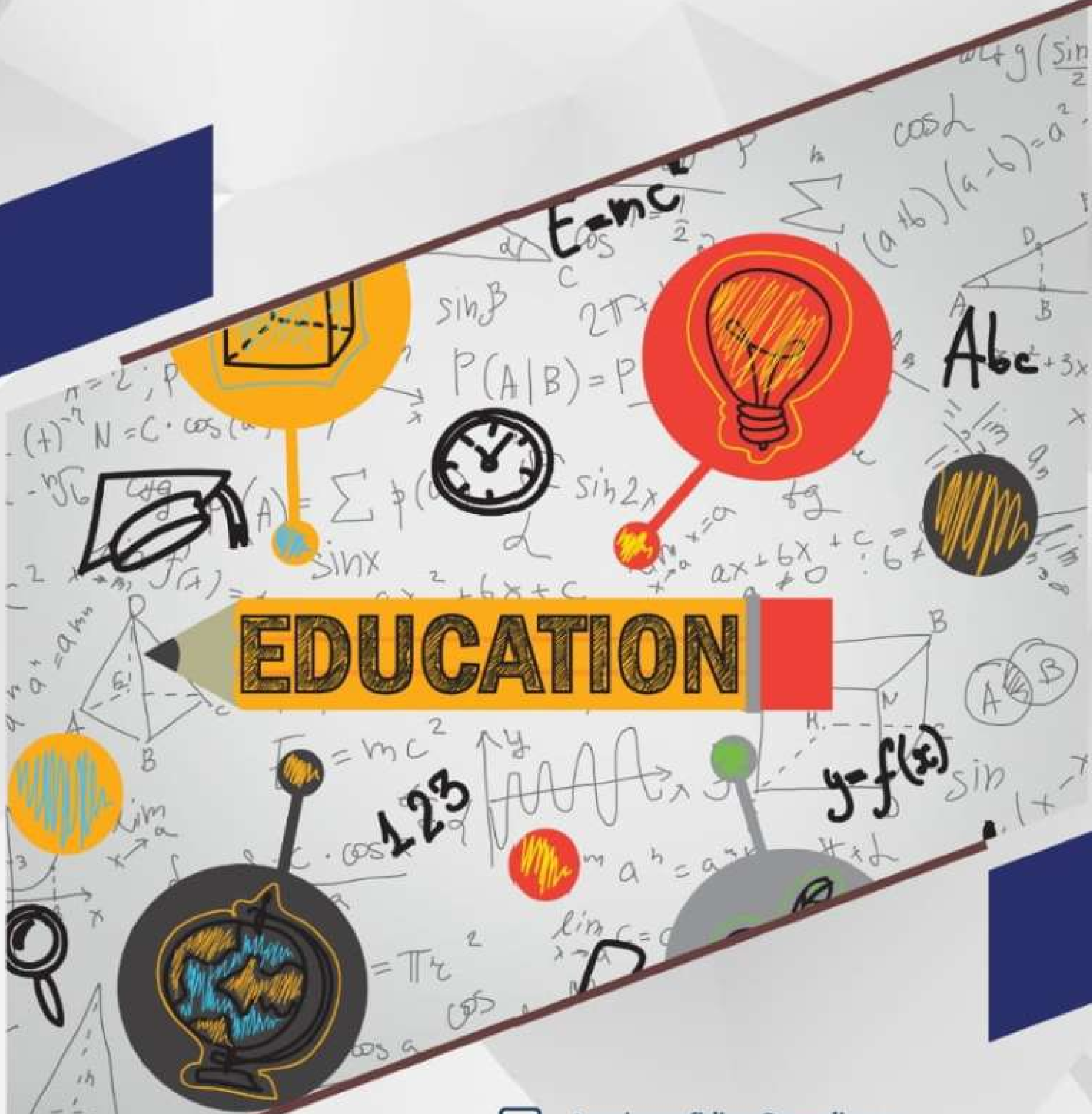

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

13 मई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सच्चा मित्र वह है जो हर परिस्थिति में साथ रहे।

अरस्तू

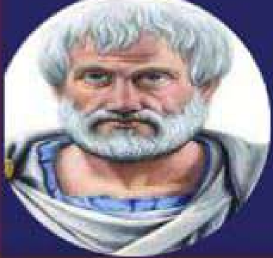

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

13 मई

मधु प्रिया

रोनाल्ड रॉस का जन्म 13 मई

रोनाल्ड रॉस का जन्म **13** मई, **1857** में भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमांऊँ क्षेत्र के अल्मोड़ा जिले के एक गाँव में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम **(1857)** के दौरान कई अंग्रेजी शासक मैदानी इलाकों से जान बचाने के लिये कुमांऊँ की पहाड़ियों की ओर चले गये थे। इसी कालचक्र के बीच रोनाल्ड रॉस के पिता सर कैम्पबैल क्लेब्रान्ट रॉस अपनी पत्नी मलिदा चारलोटे एल्डरटन के साथ अल्मोड़ा पहुँच गये थे, इस प्रवास के बीच उनकी पत्नी मलिदा चारलोटे एल्डरटन ने यहाँ पर एक शिशु को जन्म दिया जिसका नाम रोनाल्ड रॉस पड़ा।रोनाल्ड रॉस एक ब्रिटिश नोबेल पुरस्कार विजेता थे। उनका जन्म भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमांऊँ के अल्मोड़ा जिले के एक गाँव में हुआ था। उन्हें चिकित्सा तथा मलेरिया के परजीवी प्लास्मोडियम के जीवन चक्र के अन्वेषण के लिये सन् **1902** में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

रोनाल्ड रॉस ने मच्छरों के जठरांत्र सम्बन्धी क्षेत्र में मलेरिया परजीवी, उनकी खोज तथा मलेरिया मच्छरों द्वारा प्रेषित अन्वेषण किया।और मलेरिया रोग का मुकाबला करने के लिए नींव रखी। पच्चीस साल तक भारतीय चिकित्सा सेवा के दोरान अपनी कर्तव्यपरायणता का बखूबी निर्वहन के पश्चात सेवा से त्यागपत्र दे दिया था। इसके बाद इंगलैंड के ट्रॉपिकल मेडिसिन के लिवरपूल स्कूल के संकाय में शामिल हुए और दस साल तक उन्होंने संस्थान के ट्रॉपिकल मेडिसिन के प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन किया। सन् **1926** में उनके योगदान तथा उपलब्धियों के सम्मान में रॉस संस्थान और अस्पताल स्थापित किया गया था, जो उष्णकटिबंधीय रोगों के निदान का अस्पताल तथा संस्थान के रूप में स्थापित हुआ था। **16** सितम्बर, **1932** को डा० रोनाल्ड रॉस यहीं पर अपनी अन्तिम साँस लेने के पश्चात दुनियाँ को जीवन-रक्षक औषधि प्रदान कर हमेशा के लिए विदा हो गये थे।

जयंती विशेष 13 मई

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद (13 मई 1905 - 11 फरवरी 1977) भारत के पांचवे राष्ट्रपति थे। 1925 में नेहरू से इंग्लैन्ड में मुलाकात के बाद वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे 24 अगस्त 1974 से लेकर 11 फरवरी 1977 तक राष्ट्रपति रहे।

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

बादलों के गर्जन के समय पेड़ के नीचे नहीं खड़ा होना चाहिए, क्यों?

क्योंकि जब अधिक आवेशित बादल वृक्ष के निकट आता है तो वृक्ष के ऊपरी भाग पर शक्तिशाली विजातीय आवेश पैदा करता है। इससे बादल तथा पृथ्वी में वृक्ष के माध्यम से तड़ित विसर्जित होता है।इस कारण वृक्ष को हानि पहुंच सकता है, अथवा आग लग सकती है। अतः हमें बादलों के गर्जन के समय वृक्ष के नीचे खड़ा नहीं होना चाहिए।

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR — THE CHANGE MAKERS

TOB
खेल कॉर्नर

टेस्ट क्रिकेट से सन्यास

विराट कोहली
का टेस्ट करियर

मैच 123

9230
रन

46.85
औसत

30/31
100/50

254*
बेस्ट

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 13.05.2025

संवेदी भाषा

संवेदी भाषा, जिसे सेंसरी लैंग्वेज भी कहा जाता है, लेखन में पाँच इंद्रियों (दृष्टि, ध्वनि, स्वाद, गंध, और स्पर्श) से जुड़े शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग है। यह भाषा पाठकों को किसी चीज़ का अनुभव अधिक स्पष्ट और संवेदी तरीके से करने में मदद करती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

ऐसा गांव जहां कभी बारिश नही होती

गांव **बादलों से भी** ऊपर हैं। जब बारिश होती हैं तो इनके ऊपर नही बल्कि **नीचे बारिश होती** हैं। ये गांव **Yemen** की राजधानी के पश्चिम में स्थिति है। इसका नाम है **Manakhah,** यह गांव बिलकुल heaven जैसा लगता हैं।

ToB बूझो तो जानें..

532

ऐसा कौन सा फल है, जिसमें ना ही कोई बीज होता है और ना ही कोई छिलका ..बुझो तो जानें ?

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
मच्छरों से फैलने वाली घातक
बीमारी मलेरिया की खोज करने
वाले, नोबल पुरस्कार विजेता
डॉ. रोनाल्ड रॉस
की जयंती पर सादर नमन।
जन्म- 13 मई 1857- मृत्यु - 16 सितंबर 1932
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

"पद्म विभूषण" से सम्मानित अंग्रेजी साहित्य के प्रसिद्ध भारतीय उपन्यासकार

आर.के नारायण

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 10 अक्टूबर 19060 - मृत्यु- 13 मई 2001

Madhu priya

/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
महान स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रभक्ति व शालीनता के
प्रतीक, देश के 5वें राष्ट्रपति
फकरुद्दीन अली अहमद
की जयंती पर सादर नमन।
जन्म- 13 मई 1905 - मृत्यु- 11 फरवरी 1977
Madhu priya
/teachersofbihar